स्वागत

श्री भुवनेश्वरी महिला आश्रम – अंजनीसैंण टिहरी गढवाल

शीतला खेत मिश्रित वन अध्ययन भ्रमण अल्मोड़ा

लखवाड जल विद्युत परियोजना (कैट परियोजना)के अन्र्तगत स्थानीय वन सरपंचों का शैक्षणिक अध्ययन /भ्रमण कार्यक्रम –अल्मोडा शीतलाखेत

दिनांक 22 अप्रैल से 24 अप्रैल 2025

भ्रमण स्थल – शीतलाखेत

प्रतिभागी – वन पंचायत सरपंच

उद्देश्य

अध्ययन भ्रमण का मुख्य उद्देश्य शीतला खेत मॉडल को देखना था, कि शीतलाखेत में वन विभाग एवं ग्रामीणों के परस्पर सहयोग से पर्यावरण संरक्षण के लिये साक्षा प्रयास किस तरह से सफलता पा रहा है । जिससे स्थानीय किसानों को आपदा से पूर्व तथा आपदा के दौरान एवं आपदा के वाद की तैयारियों के लिये नियोजन करने में सहयोग मिले ।

भ्रमण कार्यक्रम दिनांक 23 अप्रैल 2025

- दिनांक 23 अप्रैल 2025 को सभी प्रतिभागियों द्वारा नाश्ता करने के पश्चात शीतलाखेत मॉडल देखने के लिये वन विभाग कार्यालय शीतला खेत गये । वहां पर वन विभाग के अधिकारी कर्मचारियों द्वारा सभी प्रतिभागियों को स्वागत किया गया ।
- जिसमें उन्होने शीतला खेत मिश्रित प्रजातियों एवं वनसंरक्षण मॉडल के बारे में विस्तार से बताया ।
- उन्होने बताया किया वर्ष 2003 –2004 में ग्रामीणों द्वारा श्याही विकास मंच का निर्माण किय गया जिसका उद्देश्य वनों को आपदा से बचारा तथा वनों का संरक्षण करना था ।
- वर्ष 2012 में अत्यधिक वनाग्नि के कारण पूरा वन जल गया था ,जिसके बाद से श्याही विकास मंच ने संकल्प लेते हुये दुबारों से बनों के संरक्षण के लिये कार्यकरना प्रारम्भ किया जिसमें आसपास के ग्रामीणों ने सहयोग करते हुये हर वर्ष वन को वनाग्नि से बचाया तथा हर वर्ष वृक्षारोपण कार्यक्रम किये गये फल स्वरूप उस समय से आज तक वनों को वनाग्नि से बचाया गया ।

क्रमश :

- इस वन में मिश्रित प्रजाति के पेड पौधे हैं , जिसकी देखरेख स्थानीय ग्रामीण एवं लगभग 12 महिला मंगल इस वन की सुरक्षा व सरंक्षण का कार्य करती है। जो अपने आप में एक उदाहरण है।
- यह वन क्षेत्र 10 हेक्टेयर में फैला हैं, वर्ष 2022 में माननीय मुख्यमन्त्री जी द्वारा इस वन क्षेत्र का भ्रमण किया गया , उन्होने इस मॉडल की सराहना करते हुये उत्तराखण्ड में अन्य वन क्षेत्रों को भी इस तरह मॉडल बनाये जाने के लिये प्रयास करने की बात कहीं ।
- श्रीमती शान्ति देवी जो कि इस समय 75 वर्ष की हैं वे वर्तमान में महिला मंगल दल अध्यक्ष भी हैं , ने लगभग 50 गांवों को इस मुहिम में जुटने के लिये प्रयास किया।

इस मॉडल को शीतलाखेत मित्रित वन पंचायत मॉडल के रूप में भी जाना जाता है। विशेष रूप से यह मॉडल वनाग्नि रोकथाम के लिये सामुदाय आधारित दृष्टिकोण है । यह मॉडल सार्वजनिक भागीदारी तथा सामुदायिक प्रबन्धन पर जोर देता है।

सीख

- शीतला खेत भ्रमण के दौरान प्रतिभागियों ने सामुदायिक प्रयास से विकसित मॉडल का प्रत्यक्ष अध्ययन किया । इस यात्रा ने प्रतिभागियों को वन संरक्षण, मिश्रित वन प्रबन्धन तथा जैविक कृषि के लिये प्रेरित व प्रोत्साहित किया ,जिससे वे अपने अपने क्षेत्रों में इस तरह की पहल के लिये प्रयास कर सकें । प्रतिभागियों को वन सरंक्षण एवं प्रबन्धन पर गहरी समझ विकसित हुई ।

समय की कमी– प्रतिभागियों का कहना था कि दूरस्त जगह होने की वजह से एक दिन का भ्रमण कार्यक्रम बहुत ही कम था जिसमें भी फायर सीजन होने की वजह एवं शादियों का समय होने की वजह से स्थानीय महिला मंगल दल समय नहीं दे पाये तथा अधिकारी गण भी कम समय दे पाये । लेकिन उसके बावजूद भी भ्रमण से प्रतिभागियों ने काफी कुछ सीखा

भ्रमण के दौरान

रेंज-अल्मोड़ा वन क्षेत्र अल्मोड़ा
क्षेत्रफल- 10 हे०
रोपण वर्ष- 2022-23

राजकीय पौधालय
स्थायी पौधालय
क्षेत्रफल - 1 है.
रेन्ज - अल्मोड़ा
GPS

लखवाड़ जल विद्युत परियोजना
"कैट परियोजना"
द्वारा
शीतला खेत मॉडल, अल्मोड़ा की एक्सपोजर यात्रा
स्थान : शीतला खेत, अल्मोड़ा
दिनांक : 22 अप्रैल 2025 से 24 अप्रैल 2025
प्रायोजित: डी.एफ.ओ., मसूरी वन प्रभाग
आयोजक : श्री भुवनेश्वरी महिला आश्रम
Pic by: Naveen Rana
23 April 2025 10:40

धन्यवाद

क्या है जंगल के उपकार मिट्‌टी पानी और बयार

मिट्‌टी पानी और बयार जिन्दा रहने के हैं आधार